

स्वयं सहायता समूह से सुनीता देवी ने संवारी अपनी तकदीर, 10 महिलाओं को भी दिया रोजगार

(जीएनएस)।

लखनऊ, उत्तर प्रदेश के कौशाम्बी जिले में स्वयं सहायता समूह से जुड़कर सुनीता देवी ने स्वरोजगार की मिसाल पेश की है। मंझनपुर विकास खंड के सेयदपुर अलीपुर गांव की सुनीता देवी ने महज पांच हजार रुपये की शुरुआती आर्थिक सहायता से मिठाई और उपहारों के लिए गते के डिब्बे बनाने का कारोबार शुरू किया। आज उनका यह छोटा उद्यम न केवल उनकी आर्थिक आत्मनिर्भरता का माध्यम बना है, बल्कि गांव की 10 अन्य महिलाओं को भी रोजगार उपलब्ध करा रहा है। सुनीता देवी ने वर्ष 2022 में उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन से जुड़े स्वयं सहायता समूह की सदस्यता ग्रहण की थी। घरेलू जिम्मेदारियों के साथ आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने की उनकी कोशिश को समूह की नियमित बैठकों, बचत और वित्तीय लेन-देन की व्यवस्था से प्रोत्साहन मिला। शुरुआती पांच हजार रुपये की सहायता से उन्होंने क्राफ्ट पेपर, गत्ता और अन्य जरूरी सामग्री खरीदी तथा अपने घर से ही डिब्बे बनाने का काम शुरू कर दिया। सुनीता देवी ने स्थानीय बाजार की जरूरत को समझते हुए इस

कारोबार का चयन किया। कौशाम्बी और आसपास के कस्बों के मिठाई विक्रेताओं को पैकेजिंग सामग्री के लिए दूसरे बड़े शहरों पर निर्भर रहना पड़ता था। उन्होंने स्थानीय दुकानदारों से रुपये की नकद ऋण सीमा उपलब्ध कराई गई। इससे थोक में कच्चा माल खरीदने और उत्पादन बढ़ाने में मदद मिली। समूह की महिलाओं ने गते की कटाई, मोड़ने, चिपकाने और डिब्बों

संपर्क कर उन्हें डिब्बों की आपूर्ति शुरू की। दीपावली, रक्षाबंधन, भैयादूज और शादी-विवाह के आयोजनों के दौरान मिठाई के डिब्बों की बढ़ती मांग से उनके कारोबार को गति मिली। समय पर आपूर्ति, गुणवत्ता और उचित कीमत के कारण स्थानीय व्यापारियों का भरोसा भी बढ़ा। कारोबार का विस्तार होने पर अतिरिक्त पूंजी की जरूरत पड़ी। इसके लिए जिला प्रशासन और बैंक प्रबंधन के समन्वय से स्वयं सहायता समूह को 50 हजार

शिक्षक-स्नातक चुनाव में भाजपा पर धांधली और बूथ कैप्चरिंग के आरोप, सपा ने चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर उठाए सवाल

(जीएनएस)।

लखनऊ, समाजवादी पार्टी ने शिक्षक और स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों के चुनाव में भारतीय जनता पार्टी पर मतदान में धांधली, बेईमानी और प्रशासन के सहयोग से विपक्षी दलों के कार्यकर्ताओं के उत्पीड़न का आरोप लगाया है। पार्टी ने कहा कि भाजपा ने अपनी संभावित हार के डर से मतदान को प्रभावित करने के लिए लोकतांत्रिक मर्यादाओं का उल्लंघन किया। समाजवादी पार्टी की ओर से जारी बयान में आरोप लगाया गया कि भाजपा सरकार के मंत्री, विधायक और प्रभावशाली नेताओं ने अपने पद की मर्यादा भूलकर मतदान को प्रभावित करने की कोशिश की। पार्टी का दावा है कि कई स्थानों पर कथित तौर पर भाजपा के रंग की पर्ची लेकर भाजपा समर्थक मतदाताओं को वोट डालने की अनुमति दी गई। सपा ने



आने वाले मतदाताओं को ही मतदान करने दिया गया, जबकि कुछ जगह पहचान पत्रों की जांच किए बिना इसे बूथ कैप्चरिंग और लोकतांत्रिक प्रक्रिया को प्रभावित करने का प्रयास बताया। पार्टी ने चुनाव आयोग की भूमिका पर भी सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि शिकायतों के बावजूद मतदान में कथित अनियमितताओं पर प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई। सपा के अनुसार, निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करना चुनाव आयोग की जिम्मेदारी है, लेकिन इस मामले में आयोग की भूमिका संतोषजनक नहीं रही। समाजवादी पार्टी ने कहा कि लोकतंत्र में निष्पक्ष चुनाव की व्यवस्था कमजोर होना गंभीर चिंता का विषय है। पार्टी ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार के कार्यकाल में लोकतांत्रिक संस्थाओं की स्वतंत्रता प्रभावित हो रही है। बयान में कहा गया कि वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में जनता भाजपा को जवाब देगी।

समाज कल्याण विभाग में प्रशासनिक दक्षता और पारदर्शिता बढ़ाने पर जोर

(जीएनएस)।

लखनऊ, समाज कल्याण विभाग में सरकारी कामकाज को सरल, प्रभावी और पारदर्शी बनाने के लिए आधुनिक तकनीक के उपयोग तथा अधिकारियों-कर्मचारियों की कार्यक्षमता बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है। इसी क्रम में 17 अक्टूबर को डॉ. राम मनोहर लोहिया उत्तर प्रदेश प्रशासन एवं प्रबंधन अकादमी (रूपाम), लखनऊ में आयोजित रिट्रोट कार्यक्रम में प्रशासनिक कार्यप्रणाली को बेहतर बनाने और विभागीय समन्वय मजबूत करने से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई। समाज कल्याण विभाग के उपनिदेशक आनंद कुमार सिंह ने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डिजिटल तकनीक के माध्यम से सरकारी कामकाज को अधिक आसान और तेज बनाया जा सकता

है। इन तकनीकों का उपयोग सरकारी पत्रों का प्रारूप तैयार करने, फाइलों की टिप्पणियां और मसौदे बनाने, रिपोर्ट का सारांश तैयार करने, अनुवाद करने तथा प्रस्तुतियां बनाने जैसे कार्यों में किया जा सकता है। इससे अधिकारियों और कर्मचारियों के समय की बचत के साथ कार्यों के निस्तारण में भी तेजी लाई जा सकती है। कार्यक्रम में ई-ऑफिस व्यवस्था, मानव संपदा

फिरोजाबाद में दो वृहद गो संरक्षण केंद्रों के निर्माण के लिए 3.20 करोड़ रुपये मंजूर

(जीएनएस)।

लखनऊ, उत्तर प्रदेश सरकार ने निराश्रित गोवंश के संरक्षण के लिए फिरोजाबाद जिले की सिरसागंज तहसील के लाखवा गांव में दो नए वृहद गो संरक्षण केंद्रों के निर्माण के लिए 3 करोड़ 20 लाख 24 हजार रुपये की धनराशि स्वीकृत की है। चालू वित्तीय वर्ष में इस निर्माण कार्य के लिए कुल 320.24 लाख रुपये मंजूर किए गए हैं। इस संबंध में पशुधन विभाग ने शासनार्देश जारी कर दिया है। इसके साथ ही पशुपालन विभाग के निदेशक,



प्रशासन एवं विकास को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं। स्वीकृत धनराशि का नियमानुसार व्यय सुनिश्चित करने के साथ ही व्यव

भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े आज करेंगे संगठनात्मक बैठक

संवाद का कार्यक्रम भी शामिल है।

अध्यक्ष तथा अवध क्षेत्र में निवास करने वाले प्रदेश पदाधिकारी शामिल होंगे। बैठकों में संगठन से जुड़े विषयों पर चर्चा की जाएगी। प्रवास के दौरान विचार परिवार के साथ भी बैठक प्रस्तावित है। महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव ने बताया कि राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े का अयोध्या प्रवास



निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, श्रीराम मंदिर में दर्शन-पूजन के बाद विनोद तावड़े जिला प्रभारियों और जिलाध्यक्षों के साथ बैठक करेंगे। इसके बाद क्षेत्रीय बैठक आयोजित होगी, जिसमें क्षेत्रीय पदाधिकारियों के साथ संगठनात्मक बैठक और विचार परिवार के साथ

प्रतिमा के रूप में साकार होगा शिवाजी का शौर्य, स्वाभिमान व स्वराज का गौरव

–डॉ. सर्वेश कुमार वर्मा की पहल पर महबूबगंज में होगी स्थापना

–आयोजन से विधानसभा के सभी 475 बूथों और ग्राम सभाओं को जोड़ने की तैयारी (जीएनएस)।

अयोध्या। स्वराज, साहस, सुशासन और राष्ट्रसम्मान के प्रतीक छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन और आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से गोसाईगंज विधानसभा क्षेत्र के महबूबगंज बाजार स्थित साई बाबा कॉलेज ऑफ फार्मेसी परिसर में उनकी भव्य प्रतिमा स्थापित की जाएगी। भाजपा नेता डॉ. सर्वेश कुमार वर्मा की पहल



मरीजों को भी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। कंप्यूटर ऑपरेटर नहीं होने से अस्पताल के कंप्यूटर आधारित कार्यों पर भी असर पड़ने की आशंका है। अस्पताल में स्टाफ नर्सों की कमी लगातार बनी हुई है। इसके अलावा 24 घंटे संचालित होने वाले अस्पताल में सुरक्षा व्यवस्था के लिए सिक्स्योरिटी गार्ड की भी तैनाती नहीं हुई है। इससे अस्पताल की व्यवस्थाओं को सुचारु बनाए रखना चुनौतीपूर्ण हो सकता है। अस्पताल के सीएनएस डॉ. रवि पांडेय ने बताया कि कर्मचारियों की तैनाती के लिए शासन से लगातार पत्राचार किया जा रहा है। अस्पताल 24 घंटे संचालित रहता है, इसलिए सुरक्षा के लिए भी सिक्स्योरिटी गार्ड की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों की तैनाती होने से अस्पताल की व्यवस्थाएं बेहतर होंगी और स्थानीय मरीजों को सुविधाओं का लाभ मिल सकेगा।

दीपोत्सव की सफलता के लिए कुलपति ने राम की पैड़ी पर किया पूजन-अर्चन

–दीपोत्सव सनातन संस्कृति की आभा और जन-जन की आस्था का महापर्व: डॉ. बिजेंद्र सिंह –आराध्य श्रीराम के आशीर्वाद व स्वयंसेवकों के समर्पण से दीपोत्सव में पुनः स्थापित होगा नया विश्व रिकॉर्ड (जीएनएस)।

अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह ने दीपोत्सव-2026 को ऐतिहासिक एवं भव्य स्वरूप प्रदान करने के उद्देश्य से राम की पैड़ी पर मुख्य यजमान के रूप में मां सरयू एवं आराध्य प्रभु श्रीराम का विधिवत पूजन-अर्चन किया। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच सरयू मंदिर के पुजारी पं. नेत्रजा मिश्र ने पूरे विधि-विधान से दीपोत्सव की निर्विघ्न सफलता एवं मंगल कामना के साथ पूजन संपन्न कराया। पूजनोपरांत उपस्थित जन को संबोधित करते हुए कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह ने कहा कि दीपोत्सव सनातन संस्कृति की आभा, जन-जन की आस्था और सामूहिक निष्ठा का महापर्व है। प्रभु श्रीराम के आशीर्वाद और हमारे कर्मठ स्वयंसेवकों के अथक परिश्रम से अयोध्या एक बार फिर विश्व पटल पर स्वर्णिम कीर्तिमान रचेगी। श्रीरामलला के भव्य मंदिर में प्राण-प्रतिष्ठा के उपरांत देश-दुनिया की दृष्टि अयोध्या के दीपोत्सव पर टिकी रहती है। यह हम सभी का सौभाग्य है कि हमें इस ऐतिहासिक अनुष्ठान का वाहक बनने का अवसर मिला है। हमारा लक्ष्य केवल रिकॉर्ड बनाना ही नहीं है बल्कि अयोध्या की आध्यात्मिक गरिमा और ऊर्जा को पूरी दुनिया में जन जन तक पहुंचाना है। हर वाल्टियर का एक-एक दीया

आस्था और राष्ट्रभक्ति के संकल्प का प्रतीक है। दीपोत्सव को त्रुटिहीन एवं विभिन्न स्वयंसेवी संस्थाओं के 35,000 से अधिक स्वयंसेवक पूरी

रिपोर्ट तैयार करने का प्रयास है। इससे शोक में कच्चा माल खरीदने और उत्पादन बढ़ाने में मदद मिली। समूह की महिलाओं ने गते की कटाई, मोड़ने, चिपकाने और डिब्बों

संपर्क कर उन्हें डिब्बों की आपूर्ति शुरू की। दीपावली, रक्षाबंधन, भैयादूज और शादी-विवाह के आयोजनों के दौरान मिठाई के डिब्बों की बढ़ती मांग से उनके कारोबार को गति मिली। समय पर आपूर्ति, गुणवत्ता और उचित कीमत के कारण स्थानीय व्यापारियों का भरोसा भी बढ़ा। कारोबार का विस्तार होने पर अतिरिक्त पूंजी की जरूरत पड़ी। इसके लिए जिला प्रशासन और बैंक प्रबंधन के समन्वय से स्वयं सहायता समूह को 50 हजार

सौ शैय्या अस्पताल में उपकरण मौजूद, लेकिन कर्मचारियों का टोटा

–फिजियोथेरेपिस्ट और गायनेकोलॉजिस्ट की तैनाती नहीं, स्टाफ नर्सों की कमी से प्रभावित हो रही स्वास्थ्य सेवाएं

मिल्कीपुर-अयोध्या। ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने वाला सौ शैय्या चिकित्सालय कुमारगंज कर्मचारियों की कमी से जूझ रहा है। अस्पताल में उपचार के लिए उपकरण तो मौजूद हैं, लेकिन जरूरी कर्मचारियों की तैनाती नहीं होने से मरीजों को उनका पूरा लाभ नहीं मिल पा रहा है। फिजियोथेरेपी के उपकरण उपलब्ध होने के बावजूद अस्पताल के संचालन के बाद से आज तक फिजियोथेरेपिस्ट की तैनाती नहीं हो सकी है। वहीं, गायनेकोलॉजिस्ट और कंप्यूटर ऑपरेटर की कमी के साथ स्टाफ नर्सों की अपर्याप्त उपलब्धता भी स्वास्थ्य व्यवस्था पर सवाल खड़े कर रही है।



पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर होने वाली सड़क दुर्घटनाओं में घायल लोगों को भी अक्सर उपचार के लिए इसी अस्पताल लाया जाता है। ऐसे में यहां पर्याप्त चिकित्सकों और कर्मचारियों की तैनाती बेहद जरूरी है।

PRGI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh. and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI Regd.Office : B/13, Sneha Plaza Shopping Center, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad - 382 424 Gujarat,India. Phone : (o) 7698333307 (M) 7096333307 Email:navsarjansanskriti2016@gmail.com.navsarjansanskriti2016@yahoo.com:Website : www.navsarjansanskriti.com

सम्पादकीय

फ्रांस में कानून-व्यवस्था पर पकड़ लगातार ढीली होती जा रही

फ्रांस में पिछले कई दिनों से हिंसात्मक आंदोलन हो रहा है। देश भर में इस प्रदर्शनों के दौरान 23,00 से ज्यादा लोगों को हिरासत में लिया जा चुका है। आंदोलन में करीब 1000 सुरक्षाकमी घायल हुए हैं। कई शहरों में दुकानों में लूटपाट, आगजनी और सार्वजनिक इमारतों को नुकसान पहुंचाया गया है। महंगाई से शुरू हुआ आंदोलन करीब चार हफ्ते पहले तब शुरू हुआ जब स्कुलों की खराब स्थिति के खिलाफ छात्रों ने प्रदर्शन शुरू किया। यानी की फ्रांस में भी जेन-जी द्वारा आंदोलन शुरू किया गया। बाद में महंगाई, ईंधन, खाद्य पदार्थों की बढ़ती कीमतों के खिलाफ जनता की नाराजगी भी इसमें जुड़ गई। शनिवार को करीब 5 लाख लोग सड़कों पर उतरे थे। इस बीच प्रदर्शनकारियों ने पेरिस के मशहूर लुब्र म्यूजियम का प्रवेश द्वार रोक दिया, जिसके चलते म्यूजियम नहीं खुल सका। फ्रांस के पेरिस, मारिंसे, लियोन और लिमोस समेत शहरों में रात के कर्फ्यू से हालात कुछ शांत हुए हैं। रात में पुलिस हेलीकाप्टरों से गश्त करती रही।

पेरिस के आंदोलन में सबसे ज्यादा प्रभावित प्लेस डी ला रिपब्लिकन इलाके में ग्रेन की मदद से लगी प्रतिमा से पीली जैकेट हटाई गई। इस आंदोलन में प्रदर्शनकारियों ने जमकर लूटपाट की। लुई विटन, एपल स्टोर सहित कई अंतर्राष्ट्रीय ब्रांडों के शोरूम लूट लिए गए। इस राजनीतिक संकट से राष्ट्रपति मैक्रों ने करीब एक दशक पहले पुरानी राजनीतिक व्यवस्था बदलने, आर्थिक सुधारों को तेजी से लागू करने और देश में व्यवस्था ठीक करने का वादा किया था। लेकिन कार्यकाल के सिर्फ 6 महीने बाकी रहते, प्रदर्शनों ने उन्हें कमजोर राष्ट्रपति साबित कर दिया है। विशेषकों का कहना है कि हिंसा दिखाती है कि अब सरकारी तंत्र का असर कितना कम रह गया है। एक ऐसे नेता की लाचारी खुलकर सामने आई है जो न तो जनता के गुस्से को थाम पा रहा है, जिसके पास खर्च करने के लिए पैसा नहीं बचा है। राजनीतिक समर्थन कमजोर हो चुका है और कानून-व्यवस्था पर पकड़ लगातार ढीली होती जा रही है। फ्रांस की बढ़ती हिंसा के बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमेनुएल मैक्रों की आलोचना की है। ट्रंप ने दावा किया कि पेरिस जल्द ही एक मुस्लिम शहर बन जाएगा। उन्होंने फ्रांस में जारी हिंसा के लिए इमिग्रेशन को जिम्मेदार ठहराया और कहा कि मैक्रों को काफी पहले ही देश की सीमाएं बंद कर देनी चाहिए थीं। मैंने उनसे ऐसा करने को कहा भी था। प्यू रिसर्च सेंटर की रिपोर्ट के अनुसार, फ्रांस में 46 प्रतिशत लोग ईसाई हैं और करीब 43 प्रतिशत लोग किसी धर्म को नहीं मानते। मुस्लिम आबादी करीब 9 प्रतिशत है। फाक्स न्यूज की एक रिपोर्ट के अनुसार कम्युनिस्ट, समाजवादी, मुस्लिम छात्र और फलस्तीन समर्थक समेत कई समूहों ने प्रदर्शन को बढ़ावा दिया है। रिपोर्ट के अनुसार इन 54 संगठनों में 16 छात्र या युवा समूह हैं।

बाकी में वामपंथी, राजनीतिक दल, मजदूर संघ, किसान संगठन, नागरिक अधिकार समूह और अंतर्राष्ट्रीय मीडिया मंच शामिल हैं। इनमें से कुछ ने प्रदर्शनों में भाग लिया, जबकि अन्य ने इंटरनेट मीडिया या समाचार कवरेज के जरिए आंदोलन का समर्थन किया। 28 कम्युनिस्ट, समाजवादी युवा गठबंधन 12 यूरोपीय देशों में प्रदर्शनों की तैयारी कर रहे हैं। फ्रांस के अलावा इटली

आखिर बार-बार भारत के चक्कर क्यों लगा रहे हैं अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो?

(जीएनएस)।

पांच महीने से भी कम समय में अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो की दो बार भारत यात्रा हो चुकी है। यूं तो अंतर्राष्ट्रीय कूटनीति में दो देशों के बीच संबंधों का आकलन मुलाकातों की संख्या से नहीं किया जाता बल्कि इस बात से होता है कि कठिन परिस्थितियों में दो साझेदार देश एक दूसरे के हितों का कितना सम्मान करते हैं।

मगर अनौपचारिक रूप से इस सम्मान का एक कयास मुलाकातों के जरिये भी होता है। इसलिए जब 20 अक्टूबर 2026 को मार्को रूबियो फिर से भारत की यात्रा पर आ गये, तो दुनियाभर के कूटनीतिक हलके में इसे न केवल नोटिस लिया गया बल्कि कूटनीतिक गलियारों में यह चर्चा शुरू हो गई कि आखिर मार्को रूबियो बार-बार भारत की यात्रा पर क्यों जा रहे हैं? .और इसके कई अनुमानित अर्थ निकाले गये।

मसलन चीन को लेकर रणनीति, भारत के साथ व्यापार के रिश्तों को बढ़ाना, रूस से भारत के संबंध और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शक्ति संतुलन जैसे कई तरह के कयास लगाये गये। लेकिन सबसे पहले यह समझना जरूरी है कि रूबियो जितनी बार भी भारत की यात्रा पर आये हैं, हर बार यात्रा का उद्देश्य एक जैसा नहीं रहा, होता भी नहीं है। सबसे बड़ी बात यह है कि मार्को रूबियो अमेरिका के विदेश मंत्री हैं। इसलिए अमेरिका की व्यापक विदेश नीति के संदर्भ में ही इसे देखना चाहिए, न कि सिर्फ भारत-अमेरिका की दोस्ती के चरम से।

20 अक्टूबर 2026 को देश की वित्तीय राजधानी मुंबई में जब भारतीय विदेश मंत्री एस.जयशंकर और अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो की मुलाकात हुई, तो इसका मतलब साफ था कि अब भारत और अमेरिका के बीच होने वाला व्यापार समझौता अंतिम चरणों में है। मार्को रूबियो ने इस संबंध में खुद ही कहा कि अब बस दोनो देशों के बीच होने वाले समझौते के कुछ ही महीने सुलझाने बाकी हैं। दोनो देशों के बीच व्यापार, ऊर्जा, तकनीक और रक्षा सहयोग पर विस्तार से चर्चे हुए।

- प्रभु श्रीराम की निकाली गई शोभायात्राएं, जगह-जगह हुआ स्वागत
अयोध्या। रामजी की निकली सवारी, रामजी की लीला है न्यारी ..
उक्त पंक्तियों को चरितार्थ करते हुए, श्रद्धा के शिखर पर दिखी रामनगरी की रामलीलाओं का भव्यतम स्वरूप , जिसे देखकर के श्रद्धालुओं का मन हर्षोल्लास से प्रसन्नता पूर्वक जय श्री राम के नारों से पूरा नगर गुंजायमान हुआ ज्ञातव्य हो कि आज नगर की फतेहगंज,कोठापाचां,हैदरगंज, अशोक पुरम् – जमी एवं साहब गंज के प्रभु श्रीराम की शोभायात्राएं क्रमशः निकाली गई, उक्त अवसर पर केंद्रीय दुगापूजा एवं रामलीला समन्वय समिति, जनपद-अयोध्या के जिला अध्यक्ष मनोज जायसवाल ने कहा कि प्रभु श्रीराम की इस पावन धरती पर, विभिन्न रामलीला समितियों ने जिस तरह अपने उत्कृष्ट मंचन और उत्कृष्ट शोभायात्राओं को, केंद्रीय समिति की आग्रह पर पूर्व के समय से हटकर जल्द ही प्रभु श्री राम की शोभायात्रा

निकाल कर, जो आदर्श प्रस्तुत किया गया है, वह निरुसंदेह वे सभी समितियां इसके लिए धन्यवाद की पात्र है, वहीं आमजन में भी प्रभु श्रीराम की शोभायात्राओं को देखने के लिए अपार भीड़ नगर की प्रमुख सड़कों पर मौजूद रही, जहां नर नारी बच्चे बुजुर्ग सभी माधव पांडेय की अगुवाई में तथा अशोक पुरम्-जमी की श्रीराम बारात अपने अध्यक्ष रजनीश गुप्ता, आशोष गुप्ता, मनोज गुप्ता डब्ल्यू,अनूप गुप्ता, दयाल दास यादव, सौरभ श्रीवास्तव व वेणी माधव पांडेय की अगुवाई में तथा अशोक पुरम्-जमी की श्रीराम बारात अपने अध्यक्ष पिपुषु मौर्य, प्राशु कुमार गुप्ता व अजय कुमार जायसवाल की अगुवाई में तथा कोटा पचां की श्रीराम बारात अपने अध्यक्ष सिद्धार्थ

महान, कन्हैया लाल यादव, आशीष महेंद्रा,राजेंद्र सिंह वैभव, रामजी सोनी व शिव कुमार गुप्ता की अगुवाई में एवं



हैदरगंज की श्रीराम बारात अपने अध्यक्ष रजनीश गुप्ता, आशोष गुप्ता, मनोज गुप्ता डब्ल्यू,अनूप गुप्ता, दयाल दास यादव, सौरभ श्रीवास्तव व वेणी माधव पांडेय की अगुवाई में अपने-अपने गंतव्य से प्रारंभ होकर नगर भ्रमण करती रहीं , जैसे फतेहगंज की श्रीराम बारात , अपने रामलीला प्रभारी राजीव गुप्ता, रेवत प्रकाश पाण्डेया, प्रेमनाथ राय, पंकज कुमार जायसवाल,निखिल कुमार गुप्ता व अजय कुमार जायसवाल की अगुवाई में तथा कोटा पचां की श्रीराम बारात अपने अध्यक्ष सिद्धार्थ

लंबे युद्धों से मंडराएगा वैश्विक आर्थिक विकास पर संकट

भारत के लिए सतर्कता, दूरदशा योजना और आर्थिक आत्मनिर्भरता जितनी जरूरी है, उतना ही महत्वपूर्ण शांति स्थापित करने के लिए प्रभावी वूटनीतिक प्रयास करना भी है। संघर्ष जितने लंबे खिंचेंगे, वैश्विक विकास की गति धीमी होने, कीमतें बढ़ने और करोड़ों लोगों के आर्थिक अवसर सीमित होने का खतरा उतना ही बढ़ेगा।

लंबे युद्धों से मंडराएगा वैश्विक आर्थिक विकास पर संकट दुनिया की

विदेश मंत्री एस. जयशंकर और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव की चिताएं इस



बात का संकेत हैं कि युद्धों का आर्थिक प्रभाव केवल संघर्ष वाले क्षेत्रों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि दुनिया के दूर-दराज के देशों को भी प्रभावित करता है।

भारत के लिए यह चुनौती अधिक महत्वपूर्ण है, क्योंकि उसकी अर्थव्यवस्था, परिवहन व्यवस्था, विनिर्माण क्षेत्र और वृषि अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा कीमतों तथा वैश्विक व्यापार से गहराई से जुड़े हैं।

संयुक्त राष्ट्र ने चेतावनी दी है कि मध्य पूर्व में जारी संघर्ष ऊर्जा संकट, खाद्य असुरक्षा और आर्थिक विकास में गिरावट का खतरनाक मेल पैदा कर सकता है। इसका सबसे अधिक असर विकासशील देशों पर पड़ने की आशंका है।

होर्मुज जलडमरूमध्य के आपसपस व्यवधानों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि सैन्य टकराव किस तरह कुछ ही समय में अंतरराष्ट्रीय तेल और गैस आपरुति को प्रभावित कर सकता है। यदि कच्चे तेल की कीमतें लंबे समय तक ऊंची बनी रहती हैं, तो आयात पर निर्भर देशों का विदेशी मुद्रा खर्च बढ़ेगा, महंगाई पर दबाव पड़ेगा और सरकारों की वित्तीय क्षमता प्रभावित होगी।

भारत अपनी कच्चे तेल की जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात करता है। ऐसे में तेल की कीमतों में लगातार वृद्धि रुपये की विनिमय दर, व्यापार घाटे, परिवहन लागत, बिजली उत्पादन और औद्योगिक गतिविधियों पर प्रतिवूल प्रभाव डाल सकती है। रूस-यून युद्ध ने भी साबित किया है कि प्रमुख वस्तुओं का उत्पादन करने वाले देशों के बीच संघर्ष पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था को अस्थिर कर सकता है। रूस ऊर्जा और उर्वरकों का प्रमुख आपरुतिकर्ता है, जबकि यून गेहूं सहित कई वृषि जियों के निर्यात में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहा है। युद्ध के कारण उत्पादन, समुद्री परिवहन, बीमा और व्यापार व्यवस्था में आने वाली बाधाओं ने आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता तथा कीमतों को लेकर चिताएं बढ़ाई हैं। लंबे संघर्ष से निवेश प्रभावित हो सकता है, रक्षा खर्च बढ़ सकता है और सरकारों को बुनियादी ढांचे, शिक्षा तथा सामाजिक विकास पर खर्च के लिए कम संसाधन उपलब्ध हो सकते हैं।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव की चिताएं इस

यदि दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में एक साथ तनाव बढ़ता है, तो अपने अंतरराष्ट्रीय व्यापारिक साझेदारों और आपरुति र्रोतों में विविधता लानी होगी।

भारत के सामने सबसे तात्कालिक आर्थिक जोखिम उस स्थिति में पैदा हो सकता है, जब कच्चे तेल की कीमतें लंबे समय तक ऊंची रहें और वैश्विक मांग भी कमजोर पड़ जाए। महंगी ऊर्जा से माल ढुलाई, विनिर्माण और आवश्यक सेवाओं की लागत बढ़ती है।

यदि अंतरराष्ट्रीय महंगाई बनी रहती है, तो वेंद्रीय बैंकों के लिए व्याज दरों में कटौती करना कठिन हो सकता है। इससे उद्योगों, कारोबारियों और आम परिवारों के लिए कर्ज महंगा बना रह सकता है।

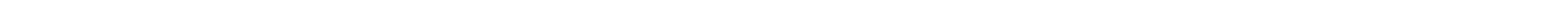
दूसरी ओर, प्रमुख निर्यात बाजारों में मांग घटने से भारतीय विनिमार्ताओं, सूचना प्रौद्योगिकी वंपनियों, इंजीनियरिंग उद्योग और विदेशों में कारोबार करने वाले अन्य क्षेत्रों पर असर पड़ सकता है। आयात बिल बढ़ने से चालू खाते के संतुलन और रुपये पर दबाव पड़ सकता है, जिससे मशीनरी, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और औद्योगिक कच्चे माल का आयात महंगा होगा।

हालांकि, इन परिस्थितियों का अर्थ यह नहीं है कि भारत अनिवार्य रूप से मंदी में चला जाएगा, लेकिन आर्थिक विकास की गति प्रभावित होने और नीतिगत चुनौतियां बढ़ने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। भारत की वृषि व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है, क्योंकि इसका सीधा संबंध ग्रामीण आय, खाद्य कीमतों और समग्र आर्थिक स्थिरता से है। देश में खाद्यान्न उत्पादन का मजबूत आधार है तथा सरकारी खरीद और सार्वजनिक वितरण की व्यवस्था भी मौजूद है। इसके बावजूद खेती की लागत बढ़ने से किसानों का लाभ घट सकता है और उर्वरक तथा खाद्य सख्खी पर सरकार का खर्च बढ़ सकता है। छोटे और सीमांत किसान विशेष रूप से प्रभावित होते हैं, जब डीजल, उर्वरक और अन्य वृषि आदानों की कीमतें बढ़ती हैं, लेकिन उनकी उपज के दाम उसी अनुपात में नहीं बढ़ते। इसलिए, निवेशकों को सतर्क रहना होगा।

लंबे समय तक बनी अनिंतिता निवेशकों को सतर्क कर सकती है, बड़ी परियोजनाओं को टाल सकती है और वित्तीय बाजारों में अस्थिरता बढ़ा सकती है। दुनिया की सरकारों पर रक्षा जरूरतों और सार्वजनिक सेवाओं, बुनियादी ढांचे तथा कल्याणकारी योजनाओं पर खर्च के बीच संतुलन बनाए रखने का दबाव बढ़ रहा है। भारी विदेशी कर्ज वाले विकासशील देशों के लिए जोखिम अधिक है, क्योंकि महंगा कर्ज और बढ़ता आयात खर्च संकट से निपटने की उनकी क्षमता सीमित कर सकते हैं। भारत के पास विशाल घरेलू बाजार, विविध आर्थिक आधार, मजबूत सेवा निर्यात और पर्याप्त वृषि उत्पादन जैसी महत्वपूर्ण ताकतें हैं। फिर भी ये खुरियां उसे वैश्विक आर्थिक मंदी से पूरी तरह बचाने की गारंटी नहीं देतीं। यदि प्रमुख व्यापारिक साझेदारों की अर्थव्यवस्था धीमी पड़ती है, तो अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं ने प्रतिवूल परिस्थितियों में ऊर्जा की ऊंची कीमतों से आर्थिक वृद्धि को और नुकसान पहुंचाने की आशंका जताई है। हालांकि, ऐसे अनुमान संभावित परिस्थितियों पर आधारित होते हैं, और नीतिगत चुनौतियां बढ़ने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। भारत की वृषि व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है, क्योंकि इसका सीधा संबंध ग्रामीण आय, खाद्य कीमतों और समग्र आर्थिक स्थिरता से है। देश में खाद्यान्न उत्पादन का मजबूत आधार है तथा सरकारी खरीद और सार्वजनिक वितरण की व्यवस्था भी मौजूद है। इसके बावजूद खेती की लागत बढ़ने से किसानों का लाभ घट सकता है और उर्वरक तथा खाद्य सख्खी पर सरकार का खर्च बढ़ सकता है। छोटे और सीमांत किसान विशेष रूप से प्रभावित होते हैं, जब डीजल, उर्वरक और अन्य वृषि आदानों की कीमतें बढ़ती हैं, लेकिन उनकी उपज के दाम उसी अनुपात में नहीं बढ़ते। इसलिए, निवेशकों को सतर्क रहना होगा।

लंबे समय तक बनी अनिंतिता निवेशकों को सतर्क कर सकती है, बड़ी परियोजनाओं को टाल सकती है और वित्तीय बाजारों में अस्थिरता बढ़ा सकती है। दुनिया की सरकारों पर रक्षा जरूरतों और सार्वजनिक सेवाओं,

श्रद्धालु भक्ति भाव से गाजे बाजे के साथ झूमते गाते और जय जय श्रीराम के नारों से वातावरण को गुंजायमान करते हुए, राम धुन में मग्न चल रहे थे, श्रीराम बारातों का जगह-जगह स्वयंसेवी संगठनों, व्यक्तियों द्वारा पूजन आरती एवं प्रसाद वितरण करते हुए स्वागत व अभिनंदन किया जा रहा था, वहीं दूसरी ओर नरेंद्रालय रिकाबगंज के निकट केंद्रीय समिति का स्वागत कैंप लगाया गया था, जहां केन्द्रीय समिति के वरिष्ठ साथी शिव जी गौड़, अजय विश्वकर्मा, अखिलेश पाठक, अमित कनौजिया, राजेश कुमार जायसवाल राजू,अंकुश गुप्ता, डॉ.अखिलेश वैश्य, अंजनी पांडेय ,रंजीत शर्मा, रवीन्द्र यादव, अवधेश अग्रहरि, दिलीप यादव उर्फ मुन्ना यादव, रामबाबू कसौधन, मोहित गुप्ता, अखिलेश कुमार, गौरव जायसवाल को शिवजी शर्मा आदि द्वारा समस्त श्रीराम बारातों का पूजन-अर्चन एवं श्रद्धालुओं में प्रसाद वितरण करके स्वागत व अभिनंदन किया जा रहा था।



मलिहाबाद में आरा मशीनों को लेकर बड़ा सवाल - वसूली न दो तो वन विभाग की जांच

(जीएनएस)। मलिहाबाद (लखनऊ)। मलिहाबाद क्षेत्र में कुछ कथित पत्रकारों द्वारा आरा मशीन संचालकों से अवैध वसूली का खेल चल रहा है।संचालकों के मुताबिक, अवैध वसूली न देने पर वन विभाग की टीम से आरा मशीन की जांच कराई जाती है। जांच में जिस आरा मशीन पर बिना टीपी और बिना परमिट की लकड़ी पाई जाती है, उस पर कार्रवाई होती है।

लेकिन यहां बड़ा सवाल खड़ा हो रहा है - क्या पूरे मलिहाबाद क्षेत्र में सिर्फ दो ही आरा मशीनों पर बिना टीपी और परमिट की लकड़ी है मलिहाबाद क्षेत्र में लगभग 2 दर्जन से अधिक आरा मशीनें संचालित हो रही हैं, जिनमें से कई मशीनों पर भी बिना टीपी और परमिट की अवैध लकड़ी होने की चर्चा है। फिर उन पर कार्रवाई क्यों नहीं हो रही?

आखिर सिर्फ 2 ही आरा मशीनों पर जांच क्यों स्थानीय लोगों और कारोबारियों का कहना है कि यदि वन विभाग को निष्पक्ष कार्रवाई करनी है तो क्षेत्र में संचालित सभी 2 दर्जन से अधिक आरा मशीनों की एक साथ जांच की जाए, सभी के टीपी, परमिट और स्टॉक रजिस्टर चेक किए जाएं। चुनिंदा कार्रवाई से उठ रहे सवाल - सिर्फ 2 मशीनों पर कार्रवाई से वन विभाग की कार्यप्रणाली पर भी

सवाल उठ रहे हैं। क्या कार्रवाई वाकई में अवैध लकड़ी को रोकने के लिए है, या फिर वसूली न देने वालों को सबक सिखाने के लिए लकड़ी कारोबारियों ने डीएफओ लखनऊ और प्रभागीय वनाधिकारी से मांग की है कि मलिहाबाद की सभी आरा मशीनों की संयुक्त रूप से सघन जांच कराई जाए और दोषियों पर एक समान कार्रवाई की जाए, ताकि दूध का दूध और पानी का पानी हो सके।

लखनऊ में सड़क सुरक्षा और शराब के नशे में वाहन चलाने के विरुद्ध जन-जागरूकता अभियान

(जीएनएस)। लखनऊ। राजधानी लखनऊ में सड़क सुरक्षा और शराब के नशे में वाहन चलाने के खिलाफ जन-जागरूकता अभियान चलाया गया। नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय संगठन कंज्यूमर वॉयस, लखनऊ स्थित कंज्यूमर गिल्ड और अन्य संगठनों के संयुक्त तत्वावधान में 23 अक्टूबर को एक दिवसीय अभियान का आयोजन किया गया। अभियान का मुख्य उद्देश्य शराब पीकर वाहन चलाने के दुष्परिणामों के प्रति लोगों को जागरूक करना और सुरक्षित वाहन चालन को बढ़ावा देना रहा।

सड़क दुर्घटनाओं के गंभीर परिदृश्य को देखते हुए इस अभियान को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। कंज्यूमर गिल्ड लखनऊ के अध्यक्ष अभिषेक श्रीवास्तव ने कहा कि शराब पीकर वाहन चलाने से बचकर ऐसी दुर्घटनाओं को रोका जा सकता है। इसके लिए निरंतर जन-जागरूकता, कानूनों का प्रभावी क्रियान्वयन और सभी पक्षों की सामूहिक भागीदारी जरूरी है, जिसमें युवाओं की भूमिका सबसे अहम है।

पदयात्रा और नुककड़ नाटक से दिया संदेश: अभियान की शुरुआत सुबह 7:30 बजे पाण्डेय कॉम्प्लेक्स से पदयात्रा के साथ हुई, जिसमें प्रतिभागियों ने एक किलोमीटर तक सड़क सुरक्षा का संदेश दिया। इसके बाद मोहनलालगंज बाजार और बलरामपुर अस्पताल के मुख्य द्वार पर नुककड़ नाटकों के जरिए लोगों को जिम्मेदार वाहन चालन के प्रति जागरूक किया गया।

राज्य स्तरीय परामर्श का आयोजन: अभियान के तहत आयोजित राज्य-स्तरीय परामर्श का उद्घाटन उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष सुश्री अपर्णा यादव बिष्ट ने किया। उन्होंने कहा, शराब पीकर गाड़ी चलाना सड़क सुरक्षा की गंभीर चिंता है। इसका समाधान केवल कानूनों से नहीं होगा, इसके लिए निरंतर जन-शिक्षा, व्यवहार परिवर्तन और युवाओं को जोड़ने वाली संवाद रणनीतियाँ जरूरी हैं। उन्होंने इस तरह के सामाजिक और जनहितकारी कार्यों की सराहना की और कार्यक्रम आयोजित करने हेतु कंज्यूमर गिल्ड के अध्यक्ष अभिषेक श्रीवास्तव एवं अन्य सहयोगी संगठनों का आभार जताया और अपने अधीनस्थ अधिकारियों-कर्मचारियों से संगठन को पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया।

परामर्श में राज्य मद्यनिषेध अधिकारी आर. एल. राजवंशी, बलरामपुर अस्पताल की डॉ. रुखसाना तबस्सुम, ख्वाजा मोईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय की डॉ. रुचिता सुजय चौधरी, मारुति सुजुकी के सड़क सुरक्षा समन्वयक सैयद एहतिशाम, एमिटी यूनिवर्सिटी के प्रदीप कुमार सिंह, गेटवे कंसल्टिंग के सीईओ तुषार गांधी, एसजीपीजीआईएमएस की आहार विशेषज्ञ डॉ. निरुपमा सिंह सहित कई विशेषज्ञों ने विचार रखे। चर्चा में जोर दिया गया कि यातायात प्रवर्तन के साथ-साथ निरंतर जन-शिक्षा और लक्षित जागरूकता अभियान खासकर युवाओं के बीच चलाना बेहद जरूरी है। अभियान में वॉकथॉन के अलावा सूचना कियोस्क और सेल्फी बूथ भी लगाए गए, जिससे आम नागरिकों की भागीदारी बढ़ी।



(जीएनएस)। लखनऊ। राजधानी लखनऊ में सड़क सुरक्षा और शराब के नशे में वाहन चलाने के खिलाफ जन-जागरूकता अभियान चलाया गया। नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय संगठन कंज्यूमर वॉयस, लखनऊ स्थित कंज्यूमर गिल्ड और अन्य संगठनों के संयुक्त तत्वावधान में 23 अक्टूबर को एक दिवसीय अभियान का आयोजन किया गया। अभियान का मुख्य उद्देश्य शराब पीकर वाहन चलाने के दुष्परिणामों के प्रति लोगों को जागरूक करना और सुरक्षित वाहन चालन को बढ़ावा देना रहा।

सड़क दुर्घटनाओं के गंभीर परिदृश्य को देखते हुए इस अभियान को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। कंज्यूमर गिल्ड लखनऊ के अध्यक्ष अभिषेक श्रीवास्तव ने कहा कि शराब पीकर वाहन चलाने से बचकर ऐसी दुर्घटनाओं को रोका जा सकता है। इसके लिए निरंतर जन-जागरूकता, कानूनों का प्रभावी क्रियान्वयन और सभी पक्षों की सामूहिक भागीदारी जरूरी है, जिसमें युवाओं की भूमिका सबसे अहम है।

पदयात्रा और नुककड़ नाटक से दिया संदेश: अभियान की शुरुआत सुबह 7:30 बजे पाण्डेय कॉम्प्लेक्स से पदयात्रा के साथ हुई, जिसमें प्रतिभागियों ने एक किलोमीटर तक सड़क सुरक्षा का संदेश दिया। इसके बाद मोहनलालगंज बाजार और बलरामपुर अस्पताल के मुख्य द्वार पर नुककड़ नाटकों के जरिए लोगों को जिम्मेदार वाहन चालन के प्रति जागरूक किया गया।

राज्य स्तरीय परामर्श का आयोजन: अभियान के तहत आयोजित राज्य-स्तरीय परामर्श का उद्घाटन उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष सुश्री अपर्णा यादव बिष्ट ने किया। उन्होंने कहा, शराब पीकर गाड़ी चलाना सड़क सुरक्षा की गंभीर चिंता है। इसका समाधान केवल कानूनों से नहीं होगा, इसके लिए निरंतर जन-शिक्षा, व्यवहार परिवर्तन और युवाओं को जोड़ने वाली संवाद रणनीतियाँ जरूरी हैं। उन्होंने इस तरह के सामाजिक और जनहितकारी कार्यों की सराहना की और कार्यक्रम आयोजित करने हेतु कंज्यूमर गिल्ड के अध्यक्ष अभिषेक श्रीवास्तव एवं अन्य सहयोगी संगठनों का आभार जताया और अपने अधीनस्थ अधिकारियों-कर्मचारियों से संगठन को पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया।

परामर्श में राज्य मद्यनिषेध अधिकारी आर. एल. राजवंशी, बलरामपुर अस्पताल की डॉ. रुखसाना तबस्सुम, ख्वाजा मोईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय की डॉ. रुचिता सुजय चौधरी, मारुति सुजुकी के सड़क सुरक्षा समन्वयक सैयद एहतिशाम, एमिटी यूनिवर्सिटी के प्रदीप कुमार सिंह, गेटवे कंसल्टिंग के सीईओ तुषार गांधी, एसजीपीजीआईएमएस की आहार विशेषज्ञ डॉ. निरुपमा सिंह सहित कई विशेषज्ञों ने विचार रखे। चर्चा में जोर दिया गया कि यातायात प्रवर्तन के साथ-साथ निरंतर जन-शिक्षा और लक्षित जागरूकता अभियान खासकर युवाओं के बीच चलाना बेहद जरूरी है। अभियान में वॉकथॉन के अलावा सूचना कियोस्क और सेल्फी बूथ भी लगाए गए, जिससे आम नागरिकों की भागीदारी बढ़ी।

बड़ागांव पंचायत भवन में किशोरियों को सिखाए गए जीवन कौशल और स्वास्थ्य सुरक्षा के गुर



(जीएनएस)। मसौली बाराबंकी। वात्सल्य संस्था एव सक्षम परियोजना के तत्वाधान मे पंचायत भवन बड़ागांव मे चल रहे दो दिवसीय माहवारी स्वच्छता प्रबंधन एव प्रजनन स्वास्थ्य पारिवारिक जीवन प्रशिक्षण मे क्षेत्र के 18 गाँवों से आयी 36 किशोरी लीडर्स प्रशिक्षण का आयोजन किया गया जिसमे प्रतिभागी किशोरियो को जीवन कौशल, शिक्षा का महत्व व स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया गया।

माहवारी स्वच्छता प्रबंधन पर चल रहे दो दिवसीय प्रशिक्षण मे 18 ग्राम पंचायतों से आई हुई 36 किशोरियों को माहवारी स्वच्छता प्रबंधन एवं प्रजनन स्वास्थ्य एवं पारिवारिक जीवन शिक्षा के बारे में प्रशिक्षण दिया गया इस प्रशिक्षण का उद्देश्य गांव में रहने वाली किशोरियों को उनके स्वास्थ्य शिक्षा एवं अधिकारों से जुड़े हुए मुद्दों के बारे में अच्छी समझ विकसित करने एवं आसपास के सदस्यों को इन मुद्दों के बारे में जानकारी देने एवं सहयोग करने के लिए प्रेरित किया गया। यह प्रशिक्षण वात्सल्य संस्था के सक्षम परियोजना के अंतर्गत ट्रेनर सीमा



वर्मा एव दुर्गेश नंदनी के माध्यम से दिया गया जिसमें सीमा वर्मा के द्वारा परिवार नियोजन संबंधी जानकारी किशोरियों को दी गई।

प्रशिक्षण मे ब्लॉक कोऑर्डिनेटर कमलेश कुमार ने बाल विवाह से संबंधित सजा एवं कानून पर चर्चा करते हुए किशोरियों की समझ को विकसित किया गया एवं अपने अधिकारों के प्रति समझ बनाने के लिए प्रेरित किया गया। इस मौके पर ग्राम प्रधान प्रतिनिधि नूर मोहम्मद सामुदायिक कार्यकर्ता शोभिका मिश्रा सीमा रश्मि तिवारी, अफरोज खानून ने प्रशिक्षण में प्रतिभाग

काकोरी में प्रॉपर्टी डीलर पर जानलेवा हमले का मामला गरमाया, नामजद साजिशकर्ताओं की गिरफ्तारी पर सवाल

गिरफ्तार आरोपियों और नामजद साजिशकर्ताओं के साथ बैठने का वीडियो पीड़ित ने किया वायरल, पुलिस की कार्रवाई पर उठाए सवाल

12 अक्टूबर को हुआ था हमला, पीड़ित ने जताई दोबारा हमले की आशंका; निष्पक्ष जांच और सुरक्षा की मांग (जीएनएस)।

लखनऊ। राजधानी के काकोरी कस्बे में प्रॉपर्टी डीलर मोहम्मद इमरान मंसूरी पर हुए जानलेवा हमले का मामला अब तूल पकड़ता जा रहा है। मामले में तीन आरोपियों की गिरफ्तारी के बावजूद नामजद साजिशकर्ताओं के खिलाफ कार्रवाई न होने पर पीड़ित ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। पीड़ित ने कुछ लोगों के एक साथ बैठने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल करते हुए पूरे मामले की निष्पक्ष जांच और आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, 12 अक्टूबर को काकोरी कस्बा निवासी

हमला कराने का आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज कराया गया था। तीन गिरफ्तार, नामजद आरोपियों पर कार्रवाई को लेकर सवाल मामले में पुलिस ने कथित हमले में शामिल तरुण, ललित और विष्णु

वीडियो वायरल कर पीड़ित ने उठाए सवाल पीड़ित का दावा है कि उसने पुलिस को एक ऐसा वीडियो उपलब्ध कराया था, जिसमें गिरफ्तार आरोपी और नामजद साजिशकर्ता एक साथ बैठे दिखाई दे रहे हैं। पीड़ित ने अब इस वीडियो को सोशल मीडिया पर भी वायरल किया है। उसका कहना है कि वीडियो समेत उपलब्ध साक्ष्यों की निष्पक्षता से जांच की जानी चाहिए, ताकि मामले से जुड़े सभी तथ्यों का खुलासा हो सके।

हालांकि, वायरल वीडियो अपने आप में किसी व्यक्ति की अपराध में संलिप्तता का अंतिम प्रमाण नहीं है। इसकी सत्यता, संदर्भ और अन्य साक्ष्यों की जांच के बाद ही किसी निष्कर्ष पर पहुंचा जा सकता है।

पीड़ित ने जताई जान का खतरा होने की आशंका इमरान मंसूरी ने आरोप लगाया है कि मामले में प्रभावी कार्रवाई नहीं होने से उन्हें अपनी सुरक्षा को लेकर चिंता है। उन्हें आशंका है कि आरोपित लोग दोबारा उन पर हमला कर सकते हैं।

उनकी कार को भी क्षतिग्रस्त कर दिया और घटना के बाद मौके से फरार हो गए।

पीड़ित इमरान की ओर से इस मामले में कस्बा निवासी आकाश यादव उर्फ सुब्रत, आमिर, सलमान और उबैद के खिलाफ कथित तौर पर साजिश रचकर भाड़े के लोगों से

को गिरफ्तार किया। हालांकि, पीड़ित का आरोप है कि हमले की साजिश रचने के जिन चार लोगों के नाम उसने पुलिस को बताए थे, उनके खिलाफ अब तक अपेक्षित कार्रवाई नहीं हुई है। इसी को लेकर पीड़ित ने पुलिस की जांच और कार्रवाई पर सवाल खड़े किए हैं।

कानपुर की मिलों के बंद पहिए फिर से घूमेंगे, भाजपा सांसद रमेश अवस्थी ने लाल इमली से की शुरुआत

(जीएनएस)। कानपुर नगर , पीएम मोदी से लेकर सीएम योगी तक कानपुर की बंद औद्योगिक नगरी की विरासत कही जाने वाली बंद मिलों को दोबारा से शुरू करने की कवायद शुरू हो गई है।

मिलों को चालू करवाने के लिए तैयार, युवाओं को अब शहर में मिलेगा रोजगार।

कानपुर: शहर में पिछले कई सालों से तमाम ऐसी मिले हैं, जो एक नहीं अनेक कारणों के चलते बंद हो गईं। इन मिलों में प्रमुख रूप से लाल इमली मिल, जेके जूट मिल, म्योर मिल आदि शामिल हैं।

लाल इमली की स्थिति ऐसी है, जिसमें साल 2012 से उत्पादन बंद हो गया। इसे दोबारा चालू करवाने के लिए केंद्र से लेकर राज्य स्तर तक अफसरों ने बहुत कोशिशें कीं, मगर नतीजा सिफर रहा. पर, अब एक बार फिर

औद्योगिक नगरी की विरासत कही जाने वाली बंद मिलों को दोबारा से शुरू करने की कवायद शुरू हो गई है.

कॉमर्स कमेटी की मीटिंग में सभी सदस्यों के सामने रखेंगे. पत्रकारों से वार्ता को दौरान भाजपा

कुछ दिनों पहले शहर में कॉमर्स कमेटी की बैठक में बंद मिलों का मुद्दा उठा था, जिसमें यूपी के मुख्य सचिव समेत अन्य जिम्मेदार मौजूद थे. उसके बाद गुरुवार को भाजपा सांसद रमेश अवस्थी ने दोपहर में पदाधिकारियों व लाल इमली कर्मियों के साथ लाल इमली पहुंचकर वहां का निरीक्षण किया.

भाजपा सांसद रमेश अवस्थी ने कहा, उन्होंने केंद्र सरकार व राज्य सरकार के अफसरों से कहा है, कि वह बंद मिलों के फिर से संचालन को लेकर एक ब्रीफ नोट तैयार करें, जिसके बाद उसे वह अपने स्तर से

सांसद ने कहा, अब वह चाहते हैं कि कानपुर की मिलें शुरू हों और उसमें अधिक से अधिक युवाओं को रोजगार मिल सके.

विदेशों में लालइमली के उत्पादों का बजता था डंका, करोड़ों रुपये का बजट चाहिए होगा: भाजपा सांसद रमेश अवस्थी ने कहा, कानपुर की लाल इमली की पहचान पूरी दुनिया में है. यहां के उत्पादों का विदेशों में डंका बजता था. द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान भी सैनिकों को यहां से वूलैन उत्पाद भेजे गए.

यहां के उत्पादों की गुणवत्ता बेहतर रही. लाल इमली कर्मियों ने भाजपा

पीएम और सीएम चाहते हैं कि बंद मिलों का दोबारा से शुरू हो संचालन: भाजपा सांसद रमेश अवस्थी ने पत्रकारों से वार्ता के दौरान कहा, कि पीएम मोदी व सीएम योगी चाहते हैं कानपुर की बंद मिलों का दोबारा से संचालन शुरू हो. उन्होंने कहा कि इसके लिए उन्होंने अपने स्तर से बात की है.

इसमें केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह से भी बात हुई है. अब बहुत जल्द बंद मिलों को लेकर एक टाइमलाइन, दिक्कतों के समाधान, ब्रीफ नोट की जानकारी भी पीएम मोदी तक पहुंचाएंगे.

कानपुर में वाहन चोर पर रावतपुर पुलिस का शिकंजा, चोरी की Yamaha R15 Mबाइक बरामद

(जीएनएस)। कानपुर नगर , +शांतिर वाहन चोरी के आरोपी सोहेल को पुलिस ने दबोचा, पूर्व में भी दर्ज हैं आपराधिक मुकदमे

थानाध्यक्ष कमलेश राय के नेतृत्व में कार्रवाई, टीम ने गिरफ्तारी के साथ बाइक भी की बरामद

कानपुर नगर। शहर में अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना रावतपुर पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने वाहन चोरी के मामले में आरोपी सोहेल को

गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी की यामाहा Yamaha R15 M मोटर साइकिल बरामद करने का दावा किया है।

पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार अभियुक्त सोहेल के विरुद्ध पहले से भी आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। आरोपी को गिरफ्तार करने के बाद पुलिस अग्रिम विधिक

कार्रवाई करते हुए न्यायालय में पेश करने की प्रक्रिया में जुटी है।

बूथ संख्या 414 पर वोट कटने की शिकायत, इंजीनियर विनय यादव ने सरकार को घेरा

कानपुर नगर चौधरीपुर गांव में घर-घर पहुंचे विधानसभा अध्यक्ष, 24 अक्टूबर को बूथ पर पहुंचकर फॉर्म-6 भरने की अपील

(जीएनएस)। बिल्हौर/चौधरीपुर। विधानसभा क्षेत्र बिल्हौर के बूथ संख्या 414 पर मतदाता सूची के सत्यापन के दौरान बड़ी संख्या में वोट कटने की शिकायत सामने आई है। समाजवादी पार्टी के बिल्हौर विधानसभा अध्यक्ष इंजीनियर विनय यादव चौधरीपुर गांव पहुंचे और ग्रामीणों से घर-घर जाकर मुलाकात की। इस दौरान ग्रामीणों ने मतदाता सूची में नाम कटने और इच्छ के गांव में नहीं आने की शिकायत की।

ग्रामीणों के अनुसार, पिछली मतदाता सूची में करीब 900 मतदाताओं के नाम दर्ज थे। रक्त प्रक्रिया के दौरान लगभग 200 वोट कटने जाने का आरोप है, जिसके बाद नई मतदाता सूची में 699 मतदाता हैं। शेष बताए जा रहे हैं। ग्रामीणों ने इस मामले की जांच कराने की मांग की।

ग्राम पंचायत मे वोट 1240 हैं विधानसभा मे 699 हैं दोनों मे अंतर 540 वोट हैं

सपा के BLA ने किया मतदाता सूची का सत्यापन समाजवादी पार्टी के BLA इंद्रेश यादव, दीपक, सुरेश गौतम और महेंद्र ने मतदाता सूची का सत्यापन किया। विधानसभा अध्यक्ष इंजीनियर विनय यादव ने गांव में घर-घर जाकर लोगों से संपर्क किया और अपील की कि जिन पात्र लोगों के नाम मतदाता सूची में नहीं हैं, वे 24 अक्टूबर को अपने बूथ पर पहुंचकर फॉर्म-6 भरें, ताकि पात्र मतदाताओं के नाम सूची में जुड़वाने की प्रक्रिया पूरी की जा सके।

इच्छ को बदलने की मांग, सरकार पर लगाए आरोप

इंजीनियर विनय यादव ने मतदाता सूची में नाम कटने के मामले को लेकर सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि वोट काटकर सरकार बनाने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि यह बूथ समाजवादी पार्टी कभी नहीं हारी, इसलिए यहां बड़ी संख्या में वोट कटने की शिकायत गंभीर विषय है। इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।

विनय यादव ने उपजिलाधिकारी से मांग की कि चौधरीपुर के संबंधित बूथ समाजवादी पार्टी कभी नहीं हारी, इसलिए यहां बड़ी संख्या में वोट कटने की शिकायत गंभीर विषय है। इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।

के नियमित रूप से गांव नहीं आने के कारण उन्हें अपने मताधिकार से जुड़ी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

पात्र मतदाताओं के नाम जोड़ने की अपील मौजूद थी एल ओ नीरज सिंह सेगार भी आये गांव मे अपील करें इंजीनियर विनय यादव ने ग्रामीणों से अपील की कि वे 24 अक्टूबर को बूथ पर पहुंचें, अपनी मतदाता सूची में नाम की जांच करें और जिन पात्र लोगों के नाम छूट गए हैं, वे निर्धारित प्रक्रिया के तहत फॉर्म-6 भरकर नाम जुड़वाने के लिए आवेदन करें। उन्होंने कहा कि किसी भी पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची से छूटना नहीं चाहिए और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए।